1.परमेसर दनियाँ बणायो

GOD CREATED THE WORLD

Merwari

1.परमेसर दनियाँ बणायो

GOD CREATED THE WORLD

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-1)

प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर ने सृष्टि की रचना कैसे की उसके बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

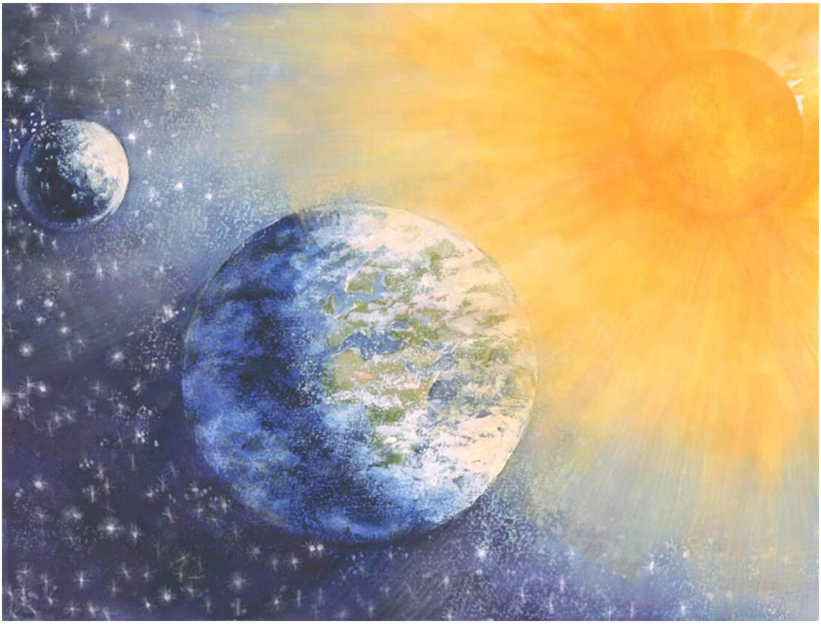

सबु पेलि परमेसर आकास ऐर
धरति न बणायो।
बि बगत धरति बगड़्योड़ि ऐर
हुनि ई पड़ी हि।
ऐर परमेसर की आत्मा पाणि परँ
घण घण फरेई हि।

जद परमेसर कियो उजाळो हेजा,
तो उजाळो हेज्यो।
परमेसर उजाळा न अंदारा ऊँ
न्यारो कर काड़्यो।
उजाऴा न दन ऐर अंदारा न रात
बोल्यो।
अशान पेलो दन हेज्यो।

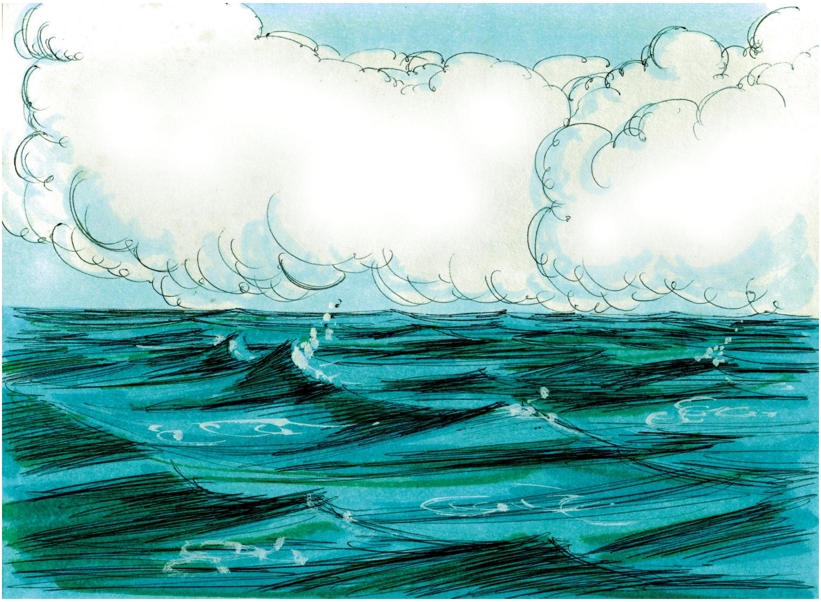

पच परमेसर पाणि न दो
हस्सा म बाँट काड़्यो।
पाणि म अंतर करबाळा
हस्सा न बो आकास कियो।
अशान दूजो दन हेज्यो।

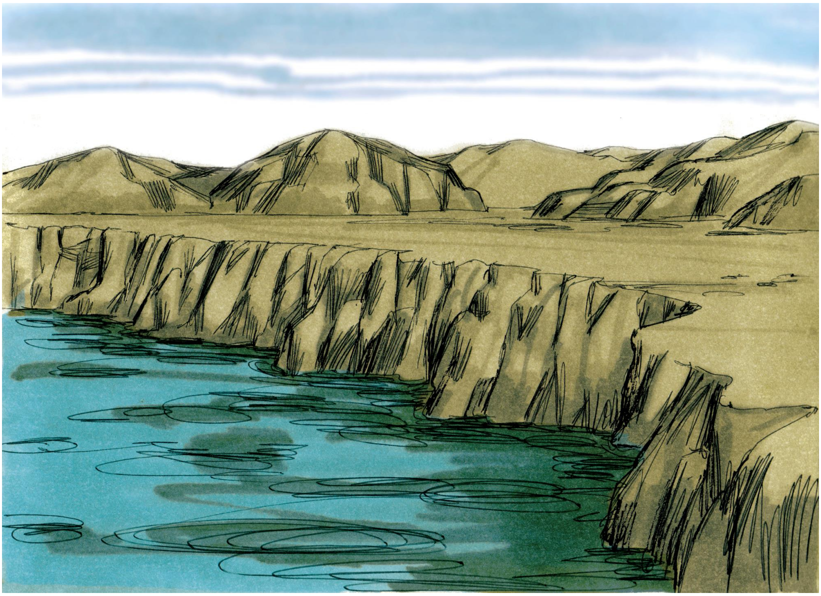

परमेसर आकास का नीचा
आळा पाणि न एक जगह
एकटो कर्यो।
पाणि न समंदर ऐर हूकि
जगह न धरति कियो।

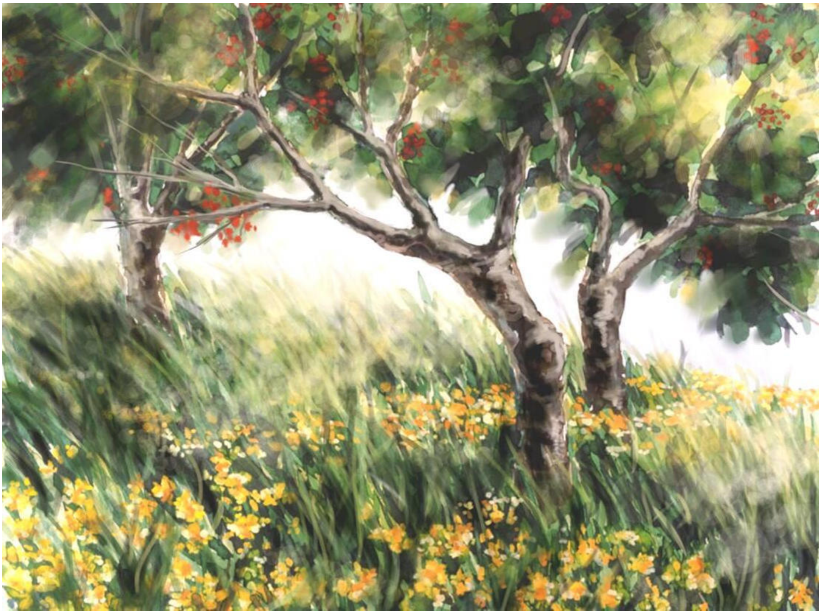

पच धरति परँ घास, बीज आळा पौदा, हगळी तरे का फळ देबा आळा पेड़ बणायो।
अशान तीजो दन हेज्यो।

पच परमेसर आकास म
सूरज चाँद ऐर तारा बणाया।
सूरज न दन म ऐर चाँद न
रात म उजाळो देबा केति
बणायो
अशान चौतो दन हेज्यो।

परमेसर आकास म उडबाळा
पक्सि
ऐर पाणि का जीव जनावर बी
बणाया।
ऐर ब्यानअ कियो आकास ऐर
पाणि म भरजावो।
अशान पाँचवो दन हेज्यो।

परमेसर हगळि तरे का जनावरँ न
बी बणायो।
पच परमेसर मनक न खुद के
जशान को बणायो।
ज्याने आदम ऐर हव्वा कियो।

अशान परमेसर छः दन म हारि
दनियाँ न बणायो।
साँतवा दन परमेसर हाँस खायो।
परमेसर साँतवा दन न आसिस
दियो ऐर पुवितर कियो।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom